



Ratna Jyoti

An ISO Certified Company
GSTIN:19ADBPN6598G1Z1

OUR
EXPERIENCE
YOU CAN TRUST



Sample

30 Aug 1988

10:00 AM

Delhi

Model: Web-MyKundli

SrNo: 101-111-105-1030 / 359

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91-9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

शुभभाषण

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

লিঙ্গ _____: পুরুষ
জন্ম তিথি _____: 30/08/1988
দিন _____: মঙ্গলবার
জন্ম সময় _____: 10:00:00 ঘন্টা
ইন্ট _____: 10:04:32 ঘটা
স্থান _____: Delhi
দেশ _____: India

অক্ষাংশ _____: 28:39:00 উত্তর
রেখাংশ _____: 77:13:00 পূর্ব
মধ্য রেখাংশ _____: 82:30:00 পূর্ব
স্থানীয় সংস্কার _____: -00:21:08 ঘন্টা
গ্রীষ্ম সংস্কার _____: 00:00:00 ঘন্টা
স্থানীয় সময় শোধন _____: 09:38:52 ঘন্টা
বেলাান্তর _____: -00:00:36 ঘন্টা
সাম্পাতিক কাল _____: 08:13:13 ঘন্টা
সূর্যোদয় _____: 05:58:11 ঘন্টা
সূর্যাস্ত _____: 18:44:43 ঘন্টা
দিনমান _____: 12:46:32 ঘন্টা
সূর্য স্থিতি -অয়ন _____: দক্ষিণায়ন
সূর্য স্থিতি -গোল _____: উত্তর
ঋতু _____: শরৎ
সূর্য ডিগ্রী _____: 13:19:12 সিংহ
লগ্ন ডিগ্রী _____: 05:27:33 তুলা

অবকহড়া চক্র
লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____: তুলা - শুক্র
রাশি-স্বামী _____: মীন - বৃহস্পতি
নক্ষত্র-চরণ _____: রেবতী - 2
নক্ষত্র-স্বামী _____: বুধ
যোগ _____: গন্ড
করণ _____: বব
গণ _____: দেব
যোনি _____: গজ
নাড়ী _____: মধ্য
বর্গ _____: বিপ্র
বশ্য _____: জলচর
বর্গ _____: সর্প
যুগ্ম _____: পূর্ব
হংসক _____: জল
জন্ম নামাঙ্কর _____: দো-দৌলত সিংহ
পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____: সর্ব - সর্ব
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____: কন্যা



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

পঞ্জিকা

পিতামহের নাম _____ :
বাবার নাম _____ :
মায়ের নাম _____ :
জাতি _____ :
গোত্র _____ :

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিন্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1910	ভাদ্র	8
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2045	ভাদ্র	15
বাংলা	সন্ : 1395	ভাদ্র	14
তামিল	সম্বৎ : 2045	অবনী	15
কেরালা	কোল্লম : 1164	চিঙ্গম	14
নেপালী	সম্বৎ : 2045	ভাদ্র	15
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2045	ভাদ্র	কৃষ্ণ 4
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2045	শ্রাবণ	কৃষ্ণ 4

পঞ্জিকা

সূর্যোদয় কালীন তিথি _____ : 4
তিথির সমাপ্তিকালীন _____ : 26:42:00
জন্ম তিথি _____ : 4
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____ : রেবতী
নক্ষত্র সমাপ্তি কাল _____ : 23:24:11 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : রেবতী
সূর্যোদয় কালীন যোগ _____ : গন্ড
যোগ সমাপ্তি কাল _____ : 22:35:17 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : গন্ড
সূর্যোদয় কালীন করণ _____ : বব
করণ সমাপ্তি কাল _____ : 16:06:28 ঘন্টা
জন্মকালীন করণ _____ : বব
ভয়ং _____ : 20:55:51
ভাবক _____ : 54:26:16
ভোগ্য দশা _____ : বুধ 10 ব 5 মা 1 দি

ঘাত চক্র

মাস _____ : ফাল্গুন
তিথি _____ : 5-10-15
দিন _____ : শুক্রবার
নক্ষত্র _____ : অশ্লেষা
যোগ _____ : বজ্র
করণ _____ : চতুষ্পদ
প্রহর _____ : 4
বর্গ _____ : গরুড়
লগ্ন _____ : সিংহ
সূর্য _____ : মিথুন
চন্দ্র _____ : কুম্ভ
মঙ্গল _____ : কর্কট
বুধ _____ : কুম্ভ
বৃহস্পতি _____ : সিংহ
শুক্র _____ : কন্যা
শনি _____ : বৃষ
রাহু _____ : তুলা



RATNA JYOTI®

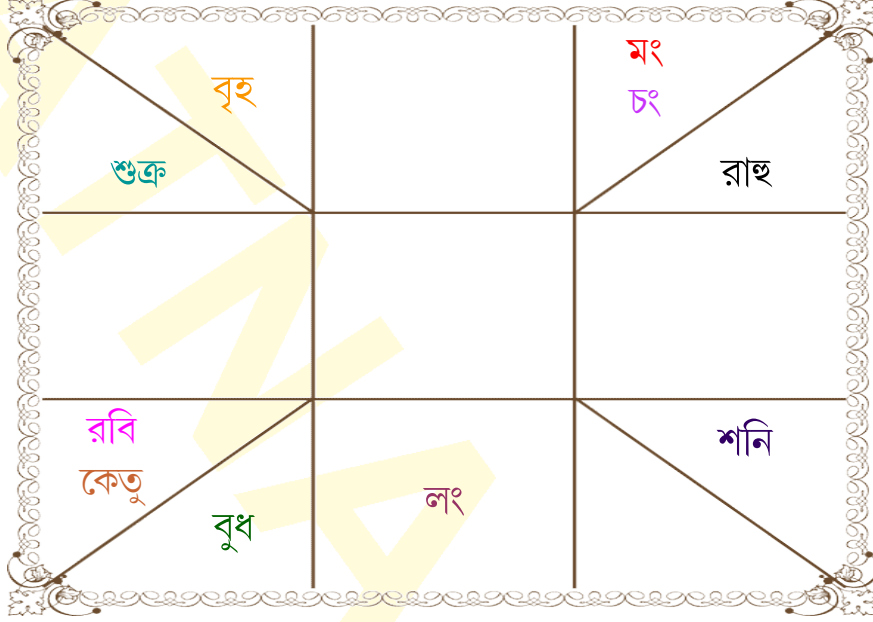
Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

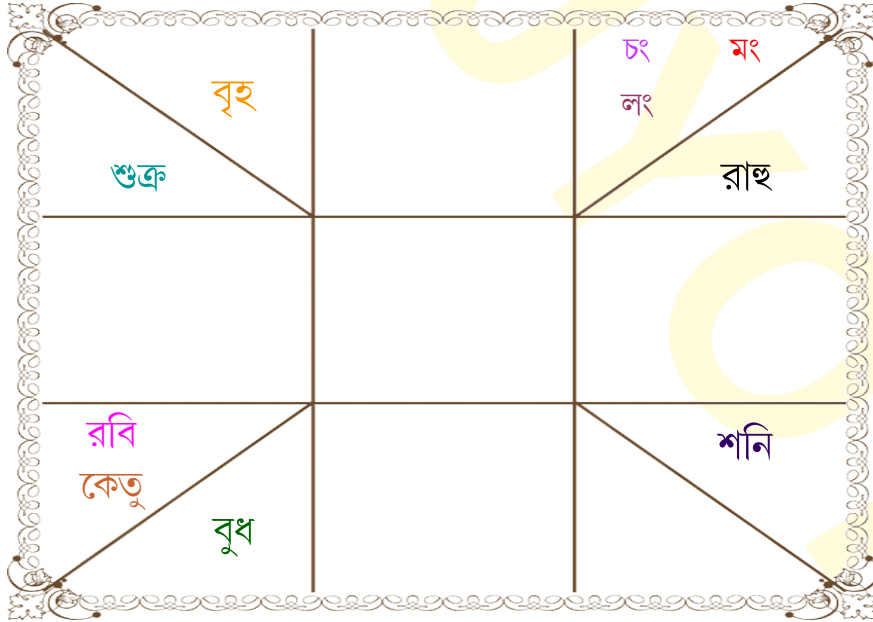
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

জন্ম কুন্ডলী

লগ্ন কুন্ডলী



চন্দ্র কুন্ডলী



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

লগ্ন কুন্ডলী

মং চং		বৃহ	শুক্র
রাহু			
			কেতু রবি
শনি		লং	বুধ

লগ্ন কুন্ডলী

	বৃহ	মং চং	
শুক্র			রাহু
রবি কেতু		লং	শনি

বিংশোত্তরী
বুধ 10ব 5মা 1দি
বুধ

30/08/1988

01/02/2102

বুধ	31/01/1999
কেতু	31/01/2006
শুক্র	31/01/2026
রবি	31/01/2032
চন্দ্র	31/01/2042
মঙ্গল	30/01/2049
রাহু	31/01/2067
বৃহস্পতি	31/01/2083
শনি	01/02/2102

য়োগিনী

উলকা 3ব 8মা 4দি

ভদ্রিকা

04/05/2017

05/05/2022

ভদ্রিকা	13/01/2018
উলকা	13/11/2018
সিদ্ধা	04/11/2019
সঙ্কটা	13/12/2020
মঙ্গলা	02/02/2021
পিঙ্গলা	15/05/2021
ধান্যা	14/10/2021
ভ্রামরী	05/05/2022



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

গৃহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গৃহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ.	স্থিতি
লং			তুলা	05:27:33	312:21:30	চিত্রা	4	14	শুক্র	মং	রবি	—
রবি			সিংহ	13:19:12	00:58:00	মঘা	4	10	রবি	কেতু	বুধ	মূলত্রিকোণ
চং			মীন	21:49:38	14:44:07	রেবতী	2	27	বৃহ	বুধ	রবি	সমরাশি
মং	ব		মীন	17:40:25	00:03:02	রেবতী	1	27	বৃহ	বুধ	বুধ	মিত্ররাশি
বুধ			কন্যা	05:20:07	01:27:43	উ ফাল্গুনী	3	12	বুধ	রবি	বুধ	উচচস্থ
বৃহ			বৃষ	11:22:54	00:04:50	রোহিণী	1	4	শুক্র	চং	মং	শত্রুরাশি
শুক্র			মিথু	27:43:05	01:00:40	পুনর্বসু	3	7	বুধ	বৃহ	শুক্র	মিত্ররাশি
শনি	ব		ধনু	02:13:44	00:00:01	মূলা	1	19	বৃহ	কেতু	শুক্র	সমরাশি
রাহু			কুম্ভ	20:23:00	00:00:23	পূ ভাদ্রপদ	1	25	শনি	বৃহ	বৃহ	মিত্ররাশি
কেতু			সিংহ	20:23:00	00:00:23	পূ ফাল্গুনী	3	11	রবি	শুক্র	বৃহ	শত্রুরাশি
ইউ	ব		ধনু	03:21:37	00:00:19	মূলা	2	19	বৃহ	কেতু	রবি	—
নেপ	ব		ধনু	13:49:23	00:00:37	পূর্বাষাঢ়া	1	20	বৃহ	শুক্র	শুক্র	—
পল্			তুলা	16:31:54	00:01:21	স্বাতী	3	15	শুক্র	রাহু	শুক্র	—
দশম ভাব			কর্ক	07:22:48	--	পুষ্যা	--	8	চং	শনি	কেতু	--

ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত

রাহু : স্পর্শ

লাহিড়ী অয়নাংশ : 23:42:00

লগ্ন চলিত

		মং +চং
বৃহ		রাহু
+শুক্র		
রবি কেতু	লং	শনি
বুধ		

চন্দ্র কুন্ডলী

বৃহ	চং মং লং
শুক্র	রাহু
রবি কেতু	শনি
বুধ	

নবাংশ কুন্ডলী

রাহু	বুধ
শুক্র	শনি
রবি	চং
কেতু	মং লং



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সঙ্কি	ভাব মধ্য
1	কন্যা 20:46:45	তুলা 05:27:33
2	তুলা 20:46:45	বৃশ্চিক 06:05:58
3	বৃশ্চিক 21:25:10	ধনু 06:44:23
4	ধনু 22:03:36	মকর 07:22:48
5	মকর 22:03:36	কুম্ভ 06:44:23
6	কুম্ভ 21:25:10	মীন 06:05:58
7	মীন 20:46:45	মেঘ 05:27:33
8	মেঘ 20:46:45	বৃষ 06:05:58
9	বৃষ 21:25:10	মিথুন 06:44:23
10	মিথুন 22:03:36	কর্কট 07:22:48
11	কর্কট 22:03:36	সিংহ 06:44:23
12	সিংহ 21:25:10	কন্যা 06:05:58

নিরয়ন ভাব চলিত

ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	তুলা	05:27:33
2	বৃশ্চিক	04:19:51
3	ধনু	05:08:31
4	মকর	07:22:48
5	কুম্ভ	09:34:27
6	মীন	09:24:38
7	মেঘ	05:27:33
8	বৃষ	04:19:51
9	মিথুন	05:08:31
10	কর্কট	07:22:48
11	সিংহ	09:34:27
12	কন্যা	09:24:38

তারা চক্র

জন্ম	সম্পত	বিপত	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
রেবতী	অশ্বিনী	ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা
অশ্লেষা	মঘা	পূ ফাল্গুনী	উ ফাল্গুনী	হস্তা	চিত্রা	স্বাতী	বিশাখা	অনুরাধা
জ্যেষ্ঠা	মূলা	পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ

চলিত কুন্ডলী

বৃহ	চং	মং
শুক্রে		রাহু
রবি কেতু		শনি
বুধ	লং	

ভাব কুন্ডলী

বৃহ 8	চং 6	মং
শুক্রে 9	7	রাহু 5
10		4
রবি 11 কেতু		3 শনি
12 বুধ	1	2



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : বুধ 10 বর্ষ 5 মাস 1 দিন

বুধ 17 বর্ষ	কেতু 7 বর্ষ	শুক্র 20 বর্ষ	রবি 6 বর্ষ	চং 10 বর্ষ
30/08/1988	31/01/1999	31/01/2006	31/01/2026	31/01/2032
31/01/1999	31/01/2006	31/01/2026	31/01/2032	31/01/2042
00/00/0000	কেতু 29/06/1999	শুক্র 01/06/2009	রবি 20/05/2026	চং 01/12/2032
00/00/0000	শুক্র 28/08/2000	রবি 01/06/2010	চং 19/11/2026	মং 02/07/2033
30/08/1988	রবি 03/01/2001	চং 31/01/2012	মং 27/03/2027	রাহু 31/12/2034
রবি 02/03/1989	চং 04/08/2001	মং 01/04/2013	রাহু 18/02/2028	বৃহ 01/05/2036
চং 01/08/1990	মং 31/12/2001	রাহু 01/04/2016	বৃহ 07/12/2028	শনি 01/12/2037
মং 30/07/1991	রাহু 19/01/2003	বৃহ 01/12/2018	শনি 19/11/2029	বুধ 02/05/2039
রাহু 15/02/1994	বৃহ 26/12/2003	শনি 31/01/2022	বুধ 25/09/2030	কেতু 01/12/2039
বৃহ 23/05/1996	শনি 02/02/2005	বুধ 01/12/2024	কেতু 31/01/2031	শুক্র 01/08/2041
শনি 31/01/1999	বুধ 31/01/2006	কেতু 31/01/2026	শুক্র 31/01/2032	রবি 31/01/2042

মং 7 বর্ষ	রাহু 18 বর্ষ	বৃহ 16 বর্ষ	শনি 19 বর্ষ	বুধ 17 বর্ষ
31/01/2042	30/01/2049	31/01/2067	31/01/2083	01/02/2102
30/01/2049	31/01/2067	31/01/2083	01/02/2102	00/00/0000
মং 29/06/2042	রাহু 14/10/2051	বৃহ 20/03/2069	শনি 03/02/2086	বুধ 29/06/2104
রাহু 17/07/2043	বৃহ 08/03/2054	শনি 01/10/2071	বুধ 13/10/2088	কেতু 27/06/2105
বৃহ 22/06/2044	শনি 12/01/2057	বুধ 06/01/2074	কেতু 22/11/2089	শুক্র 26/04/2108
শনি 01/08/2045	বুধ 02/08/2059	কেতু 13/12/2074	শুক্র 21/01/2093	রবি 31/08/2108
বুধ 29/07/2046	কেতু 19/08/2060	শুক্র 13/08/2077	রবি 03/01/2094	00/00/0000
কেতু 25/12/2046	শুক্র 20/08/2063	রবি 01/06/2078	চং 05/08/2095	00/00/0000
শুক্র 25/02/2048	রবি 14/07/2064	চং 01/10/2079	মং 12/09/2096	00/00/0000
রবি 01/07/2048	চং 12/01/2066	মং 06/09/2080	রাহু 20/07/2099	00/00/0000
চং 30/01/2049	মং 31/01/2067	রাহু 31/01/2083	বৃহ 01/02/2102	00/00/0000

❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশে আধারিত। ভয়াত ভভোগ আধারিত দশা ভোগ্যকাল বুধ ১০ ব ৫ মা ১৭ দি হয়।

❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময়। বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্গিত, আয়ুর্নির্গয় ব্যতীত।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

বুধ - রবি	বুধ - চং	বুধ - মং	বুধ - রাছ	বুধ - বৃহ
30/08/1988	02/03/1989	01/08/1990	30/07/1991	15/02/1994
02/03/1989	01/08/1990	30/07/1991	15/02/1994	23/05/1996
00/00/0000	চং 14/04/1989	মং 22/08/1990	রাছ 16/12/1991	বৃহ 05/06/1994
00/00/0000	মং 14/05/1989	রাছ 16/10/1990	বৃহ 18/04/1992	শনি 14/10/1994
00/00/0000	রাছ 31/07/1989	বৃহ 03/12/1990	শনি 13/09/1992	বুধ 09/02/1995
30/08/1988	বৃহ 08/10/1989	শনি 29/01/1991	বুধ 23/01/1993	কেতু 29/03/1995
বৃহ 20/09/1988	শনি 29/12/1989	বুধ 22/03/1991	কেতু 18/03/1993	শুক্র 14/08/1995
শনি 08/11/1988	বুধ 12/03/1990	কেতু 12/04/1991	শুক্র 20/08/1993	রবি 24/09/1995
বুধ 22/12/1988	কেতু 11/04/1990	শুক্র 11/06/1991	রবি 06/10/1993	চং 02/12/1995
কেতু 09/01/1989	শুক্র 06/07/1990	রবি 29/06/1991	চং 23/12/1993	মং 20/01/1996
শুক্র 02/03/1989	রবি 01/08/1990	চং 30/07/1991	মং 15/02/1994	রাছ 23/05/1996

বুধ - শনি	কেতু - কেতু	কেতু - শুক্র	কেতু - রবি	কেতু - চং
23/05/1996	31/01/1999	29/06/1999	28/08/2000	03/01/2001
31/01/1999	29/06/1999	28/08/2000	03/01/2001	04/08/2001
শনি 25/10/1996	কেতু 09/02/1999	শুক্র 08/09/1999	রবি 04/09/2000	চং 21/01/2001
বুধ 14/03/1997	শুক্র 05/03/1999	রবি 29/09/1999	চং 14/09/2000	মং 02/02/2001
কেতু 10/05/1997	রবি 13/03/1999	চং 04/11/1999	মং 22/09/2000	রাছ 06/03/2001
শুক্র 21/10/1997	চং 25/03/1999	মং 29/11/1999	রাছ 11/10/2000	বৃহ 04/04/2001
রবি 09/12/1997	মং 03/04/1999	রাছ 01/02/2000	বৃহ 28/10/2000	শনি 07/05/2001
চং 01/03/1998	রাছ 25/04/1999	বৃহ 28/03/2000	শনি 17/11/2000	বুধ 06/06/2001
মং 27/04/1998	বৃহ 15/05/1999	শনি 04/06/2000	বুধ 05/12/2000	কেতু 19/06/2001
রাছ 22/09/1998	শনি 08/06/1999	বুধ 03/08/2000	কেতু 13/12/2000	শুক্র 24/07/2001
বৃহ 31/01/1999	বুধ 29/06/1999	কেতু 28/08/2000	শুক্র 03/01/2001	রবি 04/08/2001

কেতু - মং	কেতু - রাছ	কেতু - বৃহ	কেতু - শনি	কেতু - বুধ
04/08/2001	31/12/2001	19/01/2003	26/12/2003	02/02/2005
31/12/2001	19/01/2003	26/12/2003	02/02/2005	31/01/2006
মং 13/08/2001	রাছ 27/02/2002	বৃহ 05/03/2003	শনি 28/02/2004	বুধ 26/03/2005
রাছ 04/09/2001	বৃহ 19/04/2002	শনি 28/04/2003	বুধ 25/04/2004	কেতু 16/04/2005
বৃহ 24/09/2001	শনি 19/06/2002	বুধ 15/06/2003	কেতু 19/05/2004	শুক্র 15/06/2005
শনি 18/10/2001	বুধ 12/08/2002	কেতু 05/07/2003	শুক্র 25/07/2004	রবি 03/07/2005
বুধ 08/11/2001	কেতু 03/09/2002	শুক্র 31/08/2003	রবি 14/08/2004	চং 03/08/2005
কেতু 16/11/2001	শুক্র 06/11/2002	রবি 17/09/2003	চং 17/09/2004	মং 24/08/2005
শুক্র 11/12/2001	রবি 25/11/2002	চং 16/10/2003	মং 11/10/2004	রাছ 17/10/2005
রবি 19/12/2001	চং 27/12/2002	মং 05/11/2003	রাছ 10/12/2004	বৃহ 04/12/2005
চং 31/12/2001	মং 19/01/2003	রাছ 26/12/2003	বৃহ 02/02/2005	শনি 31/01/2006



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাঙ্ক, ভাগ্য্যঙ্ক এবং মিত্রাঙ্ক সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরস্প মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সুস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

মূলাঙ্ক	3
ভাগ্য্যঙ্ক	1
মিত্র অঙ্ক	3, 5, 7, 9, 1
শত্রু অঙ্ক	4, 8
শুভ বর্ষ	21,30,39,48,57
শুভ দিন	শনি, বুধ, শুক্র
শুভ গ্রহ	শনি, বুধ, শুক্র
মিত্র রাশি	বৃশ্চিক, ধনু
মিত্র লগ্ন	মকর, মিথুন, সিংহ
অনুকূল দেবতা	জগদম্বা
শুভ রত্ন	হীরা
শুভ উপরত্ন	জারকন, সোনালী হকীক
ভাগ্য রত্ন	পান্না
শুভ ধাতু	রৌপ্য
শুভ রং	রজত
শুভ দিক্	দক্ষিণপূর্ব
শুভ সময়	সূর্যোদয়
দান পদার্থ	মিশ্রি, দধি, শ্বেতচন্দন
দান অন্ন	চাউল
দান দ্রব্য	দুধ



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

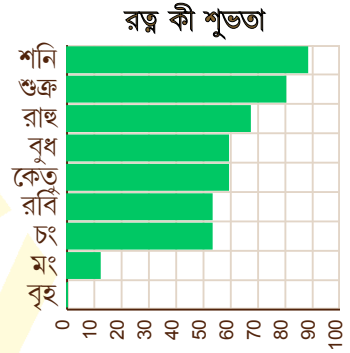
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशिओं को पार्श्वमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की फति या दृष्टि भी इसकी शुभता बताती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, द्वि में नवम व द्वि-वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शाया गया है। साथ ही केटोन सा ग्रह किस ढ़े में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को १५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसे रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसे ५०-१५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसे कार्य ढ़े अनुसार व अनकल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल २५-५० प्रतिशत शुभता लिए हैं उनसे रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अतः जिसे २५ प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझे नर उनसे रत्न को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
नीला	शनि	88%	पराक्रम, सुख, सन्तति सुख
हीरा	शुक्र	80%	भाग्योदय, दुर्घटना एडानो, स्वास्थ्य
गोमेद	राह	67%	सन्तति सुख, पराक्रम
पान्ना	बुध	59%	कम खरच, भाग्योदय
वैदूर्यमनि	केतु	59%	धनार्जन
माणिक्य	रवि	53%	धनार्जन
मुक्ता	चं	53%	शत्रु एवं रोग मुक्ति, व्यासायिक उन्नति
प्रवाल	मं	12%	शत्रु व रोग, दाम्पत्य कष्ट, धन हानि
पोखराज	बुह	0%	दुर्घटना, पराक्रम हानि, शत्रु व रोग



दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मुक्ता	प्रवाल	पान्ना	पोखराज	हीरा	नीला	गोमेद	वैदूर्यमनि
बुध	31/01/1999	60%	31%	12%	72%	0%	86%	88%	67%	59%
केतु	31/01/2006	32%	31%	25%	59%	0%	86%	75%	55%	72%
शुक्र	31/01/2026	32%	31%	12%	66%	0%	92%	94%	73%	66%
रवि	31/01/2032	66%	59%	25%	59%	0%	67%	75%	55%	44%
चं	31/01/2042	60%	66%	12%	66%	0%	80%	88%	55%	44%
मं	30/01/2049	60%	59%	38%	44%	0%	80%	88%	55%	66%
राह	31/01/2067	32%	31%	0%	59%	0%	86%	94%	80%	44%
बुह	31/01/2083	60%	59%	25%	44%	6%	67%	88%	67%	59%
शनि	01/02/2102	32%	31%	0%	66%	0%	86%	100%	73%	44%



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে চৈয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং চৈয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শাস্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারিকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

প্রথম চক্র

সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	05/03/1993-15/10/1993	10/11/1993-02/06/1995	10/08/1995-16/02/1996
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	02/06/1995-10/08/1995	16/02/1996-17/04/1998	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	17/04/1998-07/06/2000	-----	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	-----

দ্বিতীয় চক্র

সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	29/03/2025-03/06/2027	03/06/2027-23/02/2028	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	03/06/2027-03/06/2027	23/02/2028-08/08/2029	05/10/2029-17/04/2030
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	31/05/2032-13/07/2034	-----	-----
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044

তৃতীয় চক্র

সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	25/02/2052-14/05/2054	02/09/2054-05/02/2055	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	07/04/2057-27/05/2059	-----	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	-----

শনির চৈয়া ফল

চৈয়ার প্রকার	ফল	ক্ষেত্র
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	শুভ	সন্ততি সুখ
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	শুভ	শত্রু এবং রোগ
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	সম	দাম্পত্য কলহ
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	শুভ	ভাগ্যোদয়
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	শুভ	স্বাস্থ্য



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতির প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখ যোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

ॐ প্রাং প্রং শ্রীং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতির শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ ত্রযংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।

উর্বারুকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মুক্ষীয় মা মৃতাত।।

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ হোং জুং স ॐ ভূর্ভুব স্ব ॐ।।

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটি ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটি ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্র পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ-্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

ॐ শং শনৈশ্চরায় নমঃ ।

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

মাঙ্গলিক বিচার

জব বর যা কন্যা কী কুণ্ডলী মেং মঙ্গল লগ্ন, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম তথা গদশ ভাব মেং হো তো মাঙ্গলিক দোষ कहलाता है। यथोक्तम्

लघ्ने व्यथे च पातले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तृविनाशश्च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

যদি জাতক জাতিকার কুষ্ঠিতে মঙ্গল গৃহ চতুর্থ ঘর, সপ্তম ঘর, অষ্টম ঘর বা দ্বাদশ ঘরে স্থিত হয় তবে এটাকে মাঙ্গলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মাঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুষ্ঠিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মাঙ্গলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্রের সঙ্গে মঙ্গল প্রথমভাবে অবস্থান করছে। যদিও চন্দ্র কোষ্ঠিতে মাঙ্গলিক দোষ ক্ষতিকারক নয়, কিন্তু তার প্রভাবে আপনি শারীরিক অসুবিধা এবং মানসিক অশান্তি পেতে পারেন। এর কারণে আপনার বিবাহ অপ্রয়োজনীয় ভাবে দেরী হবে। এমনকি বিবাহ স্থির করার সময়ে তা ভেঙ্গে যেতে পারে। দুর্বলতা থাকতে পারে। আপনার স্ত্রীকে প্রভাবিত করতে পারে কারণ তিনি মানসিক ভাবে এবং শারীরিক ভাবে অসুস্থ থাকবেন।

চন্দ্রের সঙ্গে মঙ্গলের প্রভাব প্রবল ভাবে যুক্ত থাকার জন্য আপনি বড় অসুখ থেকে সুরক্ষিত থাকবেন। এর সাথে মঙ্গল এর চতুর্থ ঘরে প্রবেশের জন্য আপনি কঠোর পরিশ্রমের দ্বারা বিলাসিতা অর্জন করবেন। মঙ্গল সপ্তম ঘরে অবস্থানের জন্য আপনার স্ত্রীর স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করবে। এবং তিনি মেজাজে অতো প্রবল হবেন না। এটা আপনার বিবাহকে প্রভাবিত করবে। মঙ্গলের অষ্টম ঘরে প্রবেশের জন্য এটা নির্দেশ করছে যে আপনার সফলতার পথে বাধা আসবে কিন্তু যদি আপনি এর কঠোর ভাবে মোকাবিলা করেন তবে আপনি জয়ী হবেন। সুতরাং মঙ্গলের প্রভাব কম করার জন্য এবং আপনার বিবাহিত জীবনে সুখের জন্য আপনি অবশ্যই একজন মাঙ্গলিক মেয়েকে বিবাহ করবেন। যার মাঙ্গলিক দোষ খন্ডন করা হয়েছে। এ বিষয়ে আপনি মানসিক শান্তি উপভোগ করবেন। আপনি স্থাবর ও অস্থাবর সম্পত্তির মালিক হবেন। আপনি আপনার স্ত্রীর সঙ্গে ভালই থাকবেন এবং জীবনে অনেক বিলাসিতা থাকার জন্য আপনি শান্তিপূর্ণ এবং ব্যয়বহুল জীবন যাপন করবেন।

বিবাহ সম্বন্ধের জন্য যদি মেয়েটির কোষ্ঠিতে মঙ্গল প্রথম ঘরে থাকে তাহলে তাকে বিবাহ করবেন না। মঙ্গলের একই ঘরে দুজনেরই অবস্থানের জন্য তাদের দৈহিক ও মানসিক অশান্তির সম্ভাবনা আছে। কিন্তু যদি মঙ্গল অন্য ঘরে অবস্থান করে তবে মাঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় এবং আপনি সুখী এবং শান্তিপূর্ণ জীবনযাপন করতে পারবেন। সুতরাং যদি আপনি বিবাহ সম্বন্ধ করে চূড়ান্ত সিদ্ধান্তই করেন তবে আপনি সুখী দাম্পত্য জীবন যাপন করতে পারবেন।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

কালসর্প যোগ

অগ্নে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গৃহা।
যোগা যং কালসর্পাখ্যা শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গৃহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গৃহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-
১. অনন্ত ২. কুলিক ৩. বাসুকি ৪. শংখপাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম ৭. তক্ষক ৮. ককোটিক ৯. শংখচূড় ১০. ঘাতক ১১. বিষধর ১২. শেষনাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গৃহ গৃহিত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধে যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গৃহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গৃহে কিছু গৃহ রাহু-কেতুর অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমুহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেহীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়। কালসর্প যোগের বিধিবিৎ উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব।

জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে কালসর্পযোগ না থাকায় এটির জন্য শান্তি ইত্যাদির আবশ্যিকতা নেই এবং আপনি সম্পূর্ণ সুখী জীবনযাপন করবেন।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक बहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियाँ अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंड़े जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पांच किलो जौ सवा किलो गुड़ में मिलाकर खिलाना चाहिए। सूखे गोले में पंजीरी भरकर काले कपड़े में लपेटकर किसी सुनसान जगह पर मिट्टी में दबाएं। कबूतरों को दाना, चींटी को आटा तथा मछलियों को आटे की गोली बनाकर खिलायें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह अयंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

গ্রহ ফল

রবি

সিংহরাশির একাদশস্থানে রবির উপস্থিতি আপনাকে ভীষনরূপে আশাবাদী করবে, আপনি আপনার আশা-আকাঙ্ক্ষার পুরন করতে পারবেন। যাঁরা সরকারী চাকুরীরত বা ডাক্তারী পেশায় আছেন তাঁরা আর্থিকক্ষেত্রে সফল হবেন। আপনার পিতার কাছ থেকে আর্থিকলাভ পাবেন।

আপনার বহু বন্ধু হবে যাঁরা শিক্ষিত ও বুদ্ধিমান হবেন। আপনার বন্ধুদের মধ্যে উচ্চপদাধিকারী ব্যক্তিত্ব থাকবেন। আপনার নিঃস্বার্থপর গুণের জন্য সবাই আপনার সাথে বন্ধুত্ব করবে।

সমাজে মেলামেশা করতে ভালবাসেন। সমাজে আপনার সংস্পর্শে থাকা ব্যক্তির শিক্ষিত হবে।

আপনার জন্মের সময় সূর্য একাদশস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতা শারীরিক দুর্বলতা অনুভব করবেন এবং অসুখে আক্রান্ত হবেন। আপনার পিতা আপনাকে সর্বক্ষেত্রে সাহায্য ও সমর্থন করবেন।

আপনি পিতাকে সম্মান ও ভক্তি করবেন। আপনাদের মধ্যে সুসম্পর্ক বজায় থাকবে। কিন্তু কোন সময়ে আপনাদের মধ্যে কোন ব্যাপারে মতপার্থক্য দেখা দিলেও তা ক্ষণস্থায়ী হবে। আপনারা উভয়ে উভয়ের প্রতি যত্নবান হবেন।

চন্দ্র

ষষ্ঠস্থানে চন্দ্রের প্রভাবে আপনি আপনার কাজের প্রতি অত্যন্ত আগ্রহান্বিত হবেন। যে কাজ আপনার কল্পনাকে ছুঁতে পারবে, আপনি সেই কাজের প্রতি অত্যন্ত আগ্রহান্বিত হয়ে কাজ করবেন। আপনার নিজস্ব পৃথিবীকে যে কাজের মাধ্যমে অত্যন্ত পরিচছন্ন এবং সাজানো রাখা যাবে, সেই কাজ করতে আপনি খুব উৎসাহিত হবেন ও উপভোগ করবেন, যেমন ঘর পরিস্কার করা ইত্যাদি।

বুদ্ধিমান এবং সমৃদ্ধশালী হওয়ার জন্য আপনি আপনার সমস্ত শত্রুভাবাপন্ন ব্যক্তিদের জয় করতে পারবেন। চন্দ্রের প্রভাবে আপনার মাতৃকুলের আত্মীয়দের সাথে আপনি সুসম্পর্ক বজায় রাখতে পারবেন। তাঁরা আপনার প্রতি সু-মনোভাবাপন্ন হবে এবং এমনকি আপনাকে অর্থ সাহায্যও দিতে পারে।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্রের ষষ্ঠস্থানে অবস্থান ইংগিত করে যে আপনার মা সুস্বাস্থ্যের অধিকারীনি হবেন। তিনি কদাচিৎ অসুস্থতায় ভুগবেন। তাঁর জীবনে সম্পদ ও বিলাসিতার কোনোদিন অভাব হবে না। আপনার জীবনে যাবতীয় অসুবিধায় তিনি সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দেবেন।

আপনি আপনার মাকে শ্রদ্ধা ও মান্য করবেন এবং নিঃস্বার্থভাবে তাঁর সেবা করবেন। কোন সময়ে আপনাদের মধ্যে মতপার্থক্য দেখা দিতে পারে কিন্তু আপনাদের মধ্যে সাধারণতঃ পারস্পরিক সদ্ভাব বজায় থাকবে।

মঙ্গল

ষষ্ঠস্থানে মঙ্গলের অবস্থানের ফলে আপনি নিজের আয়ত্তের মধ্যে আপনার কাজ করতে



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

পারবেন। আপনার অবস্থান সর্বদা উচৈচ থাকবে ংং আপনার নিজস্ব কার্যপদ্ধতি থাকবে যা সুস্পষ্ট নিয়মানুবর্তিতা মেনে চলবে। আপনি যাদের জন্য কাজ করছেন তারা যদি আপনার চাইতে বেশী জ্ঞান রাখার পরিচয় দেন ংং আপনাকে প্রশিক্ষণ দেন, তবে আপনি আরো বেশী পরিশ্রমী হবেন ংং ংকজন দক্ষ কর্মচারীও হতে পারবেন।

আপনি যদি স্বনিযুক্ত হন, তবে আপনার বয়স বাড়ার সাথে সাথে আপনার কাজের গতি আরও মসৃন হবে। আপনি মামলা মোকদ্দমায় সফল হবেন। আপনি আপনার সামাজিক পদমর্যাদার বৈশিষ্ট্য দ্বারা জয়যুক্ত হবেন।

তুলালগ্নের লক্ষণ হচ্ছে, আপনার অধঃস্তন কর্মচারী ংং মাতৃকুলের আত্মীয়স্বজনরা যারা মঙ্গলের প্রভাবের দরুন আপনার প্রতি শত্রু মনোভাবাপন্ন হলেও তারা আপনার কোন ক্ষতি করতে পারবে না। তারা উপরন্তু আপনার স্বার্থের সহায়ক হবে।

ংই শিশুটির জন্মের সময়ে মঙ্গল ছিল সৌভাগ্যসূচক ষষ্ঠ ঘরে। ংটা ইংগিত করে যে তার সহোদর ভাই বোনদের স্বাভাবিক সচ্ছলতা থাকবে না। তারা সম্ভাব্য সকল উপায়ে তাকে সাহায্য করবে। ংং তাকে তার শত্রুর হাত থেকে রক্ষা করবে।

সে তাদের ভালোবাসবে ংং সহযোগ দেবে। কিছু বিভেদ ছাড়া তাদের মধ্যে ভাল মিলমিশ থাকবে। কিন্তু উদ্দিগ্নতা বেশীক্ষণ থাকবে না তারা পরস্পরের শূভ চিন্তা করবে।

বুধ

আপনি সম্ভবত প্রচুর আয় করবেন। যেহেতু আপনি প্রচুর ভ্রমণ করবেন, সেহেতু আপনার খরচ বেশীরভাগ ভ্রমণেই হবে। আপনার দয়ালু মনোভাবের জন্য আপনি বন্ধুদের সাহায্য করবেন। আপনার অবশিষ্ট পয়সাকড়ি আপনি সেবাসংস্থায় দিয়ে যেতে পারেন। যার ফলস্বরূপ আপনি বিশেষ টাকাপয়সা জমাতে পারবেন না।

অত্যধিক ভ্রমণের সম্ভাবনা রয়েছে দেশ ও বিদেশভ্রমণ করতে পারেন। কোন ধর্মস্থানেও যেতে পারেন। বিদেশে সহায়ী হওয়ার লক্ষণ আছে।

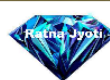
বৃহস্পতি

বৃষাশির অষ্টমস্থানে বৃহস্পতির উপস্থিতি আপনাকে জ্যোতিষবিজ্ঞানের প্রতি আগ্রহী করে তুলবে। আপনি জ্যোতিষশাস্ত্রের ংকজন বিদ্বান ব্যক্তি হয়ে উঠতে পারেন।

আপনি ধনসম্পত্তির অধিকারী হবেন ংং অন্যের সম্পত্তির প্রাপ্তি দ্বারা ংং পূর্বপুরুষের সম্পত্তি লাভ করবেন।

আপনি আপনার বিবাহের সময় যথেষ্ট পন পাবেন। ংই পন ংং আপনার সম্পত্তি আপনাকে সারাজীবন সুখী করবে।

আপনি বীমা থেকে সামান্য কিছু লাভ পাবেন, চুরি বা দুর্ঘটনার কোন লক্ষণ দেখা যায় না।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

জীবন শান্তিপূর্ণ হবে।

আপনি সাধারণ জীবনকাল ভোগ করবেন। আপনার মৃত্যু জন্ডিস রোগের দরুন হতে পারে।

শুক্র

নবমস্থানে শুক্রের অবস্থানের জন্য আপনি ভাগ্যবান হবেন। আপনি খ্যাতি ও সম্পদ দুইই পাবেন। আপনি সুদর্শন, বিনয়ী এবং মিষ্টভাষী হবেন। আপনি বিশ্বাস করেন যে সঠিক সময়ের আগে এবং ভগবানের ইচ্ছা ছাড়া কোন কিছুই লাভ করা যায় না। আপনার যেহেতু নিজের অন্তর্নিহিত জ্ঞান বা বোঝার শক্তি আছে, তাই আপনি নিজের ইচ্ছামত কাজ করতে পারবেন।

আপনার জ্ঞান ও অভিজ্ঞতা বৃদ্ধি পাবে, এ ধরনের কাজ করতে আপনি ভালো বাসবেন। আপনি নতুন নতুন এবং বিভিন্নস্থানে ভ্রমণ করতে ভালোবাসেন এবং সেখান থেকে আপনি আপনার জ্ঞানের চাইতে অধিক কিছু জানার বা নতুন ধরনের চিন্তা ভাবনার শিক্ষা গ্রহণ করবেন।

দূরভ্রমণের যোগাযোগ আছে। এই সমস্ত ভ্রমণের থেকে আপনি খ্যাতি ও সম্পদ লাভ করতে পারবেন। আপনি পুণ্য এবং ধার্মিক স্থানেও ভ্রমণ করবেন।

শনি

দুর্ভাগ্যের তৃতীয়স্থানে শনির অবস্থানের ফলে ইংগিত করে যে আপনি বুদ্ধিমান এবং সহজেই শিখে নেন। এই গুণ আপনার উচ্চশিক্ষা অর্জনে সফলতা এনে দেবে। আপনার শিক্ষাদীক্ষা সফল হবে এবং জনগণের কাছে স্বীকৃত হবেন। আপনার সহোদর এবং জ্ঞাতি ভাই-বোন ভাল স্বভাবের হবে।

রাহু

কুন্তরাশির পঞ্চমস্থানে রাহুর অবস্থান আপনাকে কিছু সমস্যা, ক্ষয়ক্ষতি এবং বিপদের সন্মুখীন করবে। আপনার সন্তানরা ভাগ্যবান হবে। আপনি আমোদপ্রিয়, সন্তানদের নিয়ে কিছু সমস্যার উদ্ভব হতে পারে। আপনি হয়তো শিক্ষা সম্পূর্ণ করতে পারবেন না। আপনি হার অনুভব করবেন। আপনি আপনার সফলতার ব্যাপারে দৃষ্টি দেন না। আপনি একগুঁয়ে ও অনড় প্রকৃতির হবেন।

কেতু

সিংহের একাদশস্থানে কেতুর উপস্থিতির ফলে আপনি আশা-আকাঙ্ক্ষা পূরণের ক্ষেত্রে সর্বদা দুঃশিচিন্তাগ্রস্ত থাকবেন এবং সে সব আপনি পূরণ করতে পারবেন না। যারা পরিবহন সংস্থায় যুক্ত থাকবেন অন্যদের তুলনায় তাদের কিছুটা আর্থিক উন্নতি দেখা যায়।

তুলালগ্নের দরুন আপনার বড়ভাইদের সঙ্গে ভাল সম্পর্ক থাকার লক্ষণ দেখালেও, কেতুর প্রভাবে বড়ভাই বা বোন প্রত্যেকে আপনার সঙ্গে একমত থাকবে।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

আপনার বন্ধুরা খুব শিক্ষিত না হলেও সাহসী হবেন। আপনার সংস্পর্শে সব ব্যক্তিরাই সাহসী হবেন।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- শুক্র
(31/01/2006 - 31/01/2026)

আপনার জন্মকুন্ডলীতে শুক্রের মহাদশা আগামী ২০ বছরের জন্য ৩১/০১/২০০৬ শুরু হবে এবং ৩১/০১/২০২৬ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুন্ডলীতে শুক্র অষ্টম ভাবে অবস্থিত। শুক্র একটি শুভ গ্রহ, বৃষ ও তুলার অধিপতি। শুক্রের মূলত্রিকোণ রাশি তুলা এবং মীন রাশি উচ্চস্থান ও কন্যারাশি নিম্ন স্থান। শুক্র গ্রহ প্রেম, আনন্দ, ফ্যাশন, শিল্পকলা, বিবাহ ইত্যাদির দ্যোতক। নবম ভাবে স্থিত হয়ে আপনার জন্ম কুন্ডলীর তৃতীয় ভাবে দেখছে ও শুভ প্রভাব ফেলছে।

নবম ভাব বিশ্বাস, ভাগ্য, ধার্মিক ও আধ্যাত্মিকতা, আস্থা, ধ্যান, ত্যাগ, দান, পিতা, গুরু, সুদূর যাত্রা, উচ্চ শিক্ষা, বিদেশ যাত্রা ইত্যাদির দ্যোতক।

স্বাস্থ্য :

মহাদশা স্বামী শুক্র নবম ভাবে স্থিত। ফলস্বরূপ আপনার কোনো ক্ষতি হবে না। আপনি কোনো সমস্যা ছাড়াই সুস্থ ও আনন্দিত জীবন ব্যতীত করবেন।

অর্থ-সংপত্তি :

শুক্র নবম ভাবে অবস্থিত। ফলস্বরূপ আপনি এই দশায় চল-অচল সম্পত্তি অর্জিত করবেন। আপনি নিজ কর্ম, পিতা ও গুরুজনদের আশীর্বাদে ধন একত্র করবেন।

জীবিকা:

শুক্র নবম ভাবে অবস্থিত হওয়ায় আপনার পারিবারিক ব্যবসা চালু থাকবে। আপনি ভাগ্যশালী ও সুখ্যাতি লাভ করবেন। আপনার শিক্ষা-প্রশিক্ষণ আপনার পারিবারিক ব্যবসার বিস্তার ও উন্নতিতে সহায়ক হবে।

আপনি বিদেশ যাত্রা করতে পারেন।

পারিবারিক জীবন :

নবম ভাবে স্থিত শুক্র আপনার পিতার আয়ু ও সমৃদ্ধি বৃদ্ধি কারক হবে। আপনি দান-পুণ্যের কার্যে আগ্রহ দেখাবেন। আপনি আপনার পারিবারিক নিয়ম-নীতি অনুযায়ী ধনার্জনে সমর্থ হবেন। আপনার জীবনসংগী আপনার সহযোগী হবেন। তিনি আপনার পারিবারিক একতা রাখতে এবং পারিবারিক উন্নতির পথ প্রশস্ত করতে সমর্থ হবেন। আপনার সন্তানরা আজ্ঞাকারী ও আপনার পদ চিহ্নের অনুসরণ করবে।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

অন্তর্দর্শা :- শুক্র - শনি
(01/12/2018 - 31/01/2022)

শুক্র মহাদশা ২০ বছর। আপনার এই মহাদশা ৩১/০১/২০০৬ আরম্ভ হয়ে ৩১/০১/২০২৬ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় শনির অন্তর্দর্শা ভোগ্যকাল ৩ বছর ২ মাস। আপনার এই অন্তর্দর্শা ০১/১২/২০১৮ আরম্ভ হয়ে ৩১/০১/২০২২ সমাপ্ত হবে।

শনি আপনার জন্মপত্রিকায় তৃতীয় ভাবে অবস্থিত। তৃতীয় ভাব মস্তিষ্কের ধারণা, বুদ্ধি, সাহস, ছোট ভাই-বোন, নিকট যাত্রা, বিচার সঞ্চার, হাত, কাঁধ ইত্যাদির পরিচায়ক।

তৃতীয় ভাব স্থিত শনি আপনার কুন্ডলীর ৫, ৯, ১২ ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বে প্রভাব বিস্তার করছে।

এই দশায় আপনি নির্মম ও সাহসী হতে পারেন। আপনি সরকারী সম্মান, ধন লাভ, সাফল্য প্রাপ্তি করবেন। আপনি বহু ব্যক্তিদের সাহায্য ও সংরক্ষণ প্রদান করবেন। আপনার মন কিছুটা উদাস ও চিন্তিত থাকলেও সময়ের সাথে সাথে তার সুপরিবর্তন হবে।

অরিষ্ট দূরীকরণে সোনা বা রূপোর আংটিতে নীলা শনিবার রাত্রি ভোজনের পরে মধ্যমাতে ধারণ করুন।

অন্তর্দর্শা :- শুক্র - বুধ
(31/01/2022 - 01/12/2024)

শুক্র মহাদশা ভোগ্যকাল ২০ বর্ষ। আপনার শুক্র মহাদশা ৩১/০১/২০০৬ আরম্ভ ও ৩১/০১/২০২৬ সমাপ্ত হবে। শুক্র মহাদশায় বুধের অন্তর্দর্শাবধিকাল ২ বর্ষ ১০ মাসের ৩১/০১/২০২২ আপনার এই অন্তর্দর্শা ০১/১২/২০২৪ সমাপ্ত হবে।

বুধ আপনার জন্মপত্রিকায় দ্বাদশ ভাব স্থিত। দ্বাদশ ভাব ক্ষতি, বাধা, অর্থের দুরূপযোগ, ধোকা, দান, পারিবারিক বিচ্ছেদ, দুঃখ, গুপ্ত শত্রু, দুর্ঘটনা, গুপ্ত দুঃখ, শয়নসুখ ও বিদেশে জীবনযাপনের সপ্তেক।

দ্বাদশ ভাব স্থিত বুধ আপনার কুন্ডলীর ষষ্ঠ ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বে প্রভাবিত করছে।

এই সময়ে আপনার মন ব্যথিত বা ভ্রমপূর্ণ থাকতে পারে। আপনি দার্শনিক স্বভাবের হতে পারেন। কার্য দক্ষতা সত্ত্বেও ভুল বুদ্ধির কারণে অপ্রসন্ন থাকতে পারেন। বিষয়-বাসনায় রুচি বৃদ্ধি হতে পারে ও জীবনসংগী ব্যতীত অন্য ব্যক্তির সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ স্হাপিত হতে পারে। সাবধানতা ও মনের উপর নিয়ন্ত্রণ রাখা আবশ্যিক। ভুল পথে চলা সম্বন্ধে সাবধান থাকুন।

শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য বুধের তান্দ্রিক মন্ত্র ৩৬০০০ বার জপ করুন।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/